तापमान

अधिकतम 30.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि

रत्न भूमि

रायपुर, बुधवार 25 मार्च 2026

13 आत्मसमर्पित नक्सलियों ने दी 10वीं की बोर्ड परीक्षा

14 वनांचल में महुआ की बहार, 80 करोड़ से...

राजिम | फिंगेश्वर | छुरा | मुड़ागांव | रसेला | गरियाबंद | कोपरा | मैनपुर | देवभोग | पांडुका | छुईहा बेलर

नवरात्रि विशेष

सप्तमी : कालरात्रि

माता दुर्गा की सातवीं शक्ति कालरात्रि नाम से विख्यात है। सातवें नवरात्रि की मां कालरात्रि के पूजन का विधान है। मां का यह स्वरूप अत्यंत भयानक है। इनके शरीर का रंग घने अंधकार की तरह काला है। सिर के बाल बिखरे हुए हैं। गले में बिजली की भांति चमकने वाली माला है। लेकिन मां का यह रुप सदैव शुभ फल देने वाला है। इसी कारण इनका एक नाम शुभंकरी भी है। मां कालरात्रि अपने भक्तों को दुष्टों से बचाने वाली है। कालरात्रि मां ग्रह बाधा को दूर भगाती है। मनुष्य को मन से कालरात्रि की अवश्य करना चाहिए। मां कालरात्रि उपर से उठे हुए दाहिने हाथ अभयमुद्रा में है। बांया तरफ के उपर वाले हाथ में लोहे का कांटा और नीचे वाले हाथ में खडग है। माता के इस रुप की पूजा करने वाले भक्त का मन सहस्रार चक्र में स्थित रहता है। मां की पूजा मात्र से भक्तों के सारे कष्ट दूर होने लगते हैं। उसके लिए ब्रह्मांड की संपूर्ण सिद्धियों के द्वार खुलने लगते हैं। इनकी पूजा- करने वाले को अग्नि भय,जल भय, शत्रु भय, रात्रि भय कभी नहीं होते। इन मां की कृपा से भक्त सर्वथा भय से दूर रहता है। मां कालरात्रि भक्तों को सदैव सुख देने वाली है। इनकी उपासना का श्लोक है-

एकवेणी जपाकर्णपूरा नग्ना खरास्थिता।
लम्बोष्ठी कर्णिकाकर्णी तैलाभ्यक्तशरीरिणी।।
वामपादोल्लसल्लोहलताकण्टकभूषणा।
वर्धनमूर्धध्वजा कृष्णा कालरात्रिर्भयंकरी ।।

खबर संक्षेप

मैनपुर में रामनवमी पर शोभायात्रा 27 को

मैनपुर। श्रीराम नवमी के अवसर पर 27 मार्च को तहसील मुख्यालय मैनपुर नगर में विशाल शोभायात्रा निकालकर अनेक धार्मिक कार्यक्रम किये जायेंगें जिसके लिए श्रीरामसेना हिन्दु संगठन मैनपुर द्वारा भव्य रूप से तैयारियां की जा रही है।

पूरे मैनपुर नगर को भगवा ध्वज व तोरण पताकों से सजाया गया है। नगर के मुख्य मार्ग सहित श्रीरामजानकी मंदिर हरदीभाठा से लेकर मैनपुर तक चारो तरफ सिर्फ भगवा ध्वज ही नजर आ रहा है। वहीं श्री राम सेना के सदस्य लगातार गांव -गांव में बैठक लेकर श्रीराम जन्मोत्सव मनाने की तैयारी की जा रही है। इस संबंध में श्रीरामसेना के अध्यक्ष मुकेश सिन्हा, उपाध्यक्ष प्रवीण शिंदे, आर्यन पटेल, कोशाध्यक्ष दिनेश सचदेव, सचिव देव साहू ने बताया हर वर्ष की भांति मैनपुर नगर में इस वर्ष भी राम जन्मोत्सव धूमधाम के साथ श्रीराम सेना हिन्दुसंगठन व क्षेत्रवासियों द्वारा मनाया जाएगा।

मां गरजई धाम : 510 सीढ़ियों के ऊपर अनगिनत पत्थरों के बीच मां का दिव्य दरबार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रसेला

विज्ञान चाहे कितनी भी प्रगति कर ले, लेकिन ईश्वरी शक्ति और आस्था के चमत्कार आज भी जनमानस के लिए अटूट श्रद्धा का केंद्र हैं। ऐसा ही एक जागृत स्थल है धमना के घने जंगलों के बीच ऊंची पहाड़ी पर स्थित मां गरजई धाम'। जैसा मां का नाम है, वैसी ही उनकी महिमा है 510 सीढ़ियों की ऊंचाई पर अनगिनत पत्थरों के बीच मां का दरबार सजा हुआ है, जिसकी ख्याति अब दूर-दूर तक फैल रही है। बुजुर्गों के अनुसार, प्राचीन समय में मां गरजई अपनी बहन सोनई-रुपई के साथ यहां विराजमान थीं। लोककथा है कि एक चरवाहा अपनी गुमशुदा भेड़ खोजते हुए पहाड़ी पर पहुंच गया, जहां माता ने उसे दर्शन देकर घर जाने को कहा। घर पहुंचने पर जब उसे अपनी भेड़ सुरक्षित मिली, तो वह गांव वालों को लेकर वापस पहाड़ी पर गया। वहां ग्रामीणों को किसी स्त्री के स्थान पर लाल कमल का फूल दिखाई दिया। जब लोगों ने संदेह किया, तो माता ने अपने वाहन 'सिंह' (शेर) को गांव भेजा, जिससे ⏭शेष पेज 12 पर

■ लाल कमल का फूल है मां को अत्यंत प्रिय

पहाड़ी की चोटी पर विराजित हैं मां गरजई

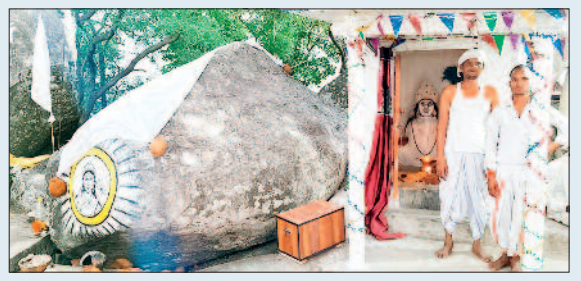

उदंती टाइगर रिजर्व की टीम ने 3 आरोपियों को दबोचा, दीवार में चुनवाकर रखा था दांत

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर/ गरियाबंद

गरियाबंद जिले के उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व की एंटी-पोचिंग टीम को वन्यजीव तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता मिली है। खेत में मिले जंगली हाथी के दांत को बेचने की फिराक में घूम रहे तीन आरोपियों को वन विभाग ने गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में एक बेशकीमती हाथी दांत सहित भारी मात्रा में शिकार के आधुनिक और पारंपरिक उपकरण बरामद किए गए हैं। उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह पूरी कार्यवाही एक गोपनीय सूचना के आधार पर शुरू हुई। सूचना मिली थी कि कुल्हाड़ीघाट निवासी पदमन पिता सुकालु कमार के पास जंगली हाथी का दांत मौजूद है। सहायक संचालक जगदीश प्रसाद दर्रो के निर्देशन में वनक्षेत्रपाल दिनेश चौधरी ने टीम गठित कर पदमन के घर और बाड़ी की विधिवत तलाशी ली। इस दौरान टीम दंग रह गई जब पता चला कि आरोपी पदमन ने पिछले 4 वर्षों से हाथी के दांत को अपने घर की दीवार के भीतर चुनवाकर (छिपाकर) ⏭शेष पेज 12 पर

खुलासा : हाथी दांत तस्करी का बड़ा खुलासा, दांत सहित वन्यजीवों के अवशेष बरामद

आदतन शिकारी भी गिरफ्त में

पकड़े गए आरोपियों में से एक, पुसऊराम (ग्राम सिहार) का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड सामने आया है। पुसऊराम इसी वर्ष दडईपानी क्षेत्र में हुए सांबर शिकार मामले में भी मुख्य आरोपी था और वर्तमान में जमानत पर बाहर था। जमानत पर रहते हुए पुनः वन्यजीव अपराध में संलिप्त पाए जाने पर विभाग ने इसे गंभीरता से लिया है।

जब्त की गई सामग्रियां

वन विभाग की टीम ने आरोपियों के पास से निम्नलिखित सामग्रियां जब्त की । हाथी दांत 1 नग ठोस स्थिति में, 2 नग धनुष, 12 नग तीर, चिड़िया मारने का विशेष धनुष, जंगली सुअर का दांत और बालों का एक गुच्छा, 2 नग गुलेल और घुरू।

हाथी-मानव द्वंद्व और संदिग्ध कड़ी

पूछताछ के दौरान एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ। आरोपी सुखचंद (ग्राम कठवा) ने बताया कि उसने यह हाथी दांत वर्ष 2021 में सिहार निवासी गंगाराम से लिया था। गौर करने वाली बात यह है कि गंगाराम की मौत सितंबर 2022 में हाथी-मानव द्वंद्व के दौरान हुई थी। आरोपियों का दावा है कि गंगाराम को यह दांत सिहार के एक खेत में पड़ा हुआ मिला था। हालांकि, वन विभाग इस दावे को संदिग्ध मान रहा है और दांत के सैंपल को डीएनए मैचिंग के लिए भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून भेजा जा रहा है ताकि हाथी की पहचान और मौत के कारणों का सुराग मिल सके।

महानदी में रेत का अवैध उत्खनन चेन माउंटेन मशीन व हाईवा जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद

कलेक्टर बीएस उइके के निर्देश पर खनिज विभाग द्वारा तहसील राजिम अंतर्गत ग्राम हथखोज स्थित महानदी क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन की शिकायत पर कार्रवाई की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 19 मार्च 2026 को टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान क्षेत्र में अवैध उत्खनन करते हुए पाए जाने पर विभाग ने एक चैन माउंटेन मशीन को लावारिस स्थिति में जब्त कर मौके पर ही सीलबंद कर दिया। इसके साथ ही एक हाईवा वाहन को भी जब्त कर सुरक्षा के लिए थाना राजिम की अभिरक्षा में रखा गया है।

प्रभारी खनिज अधिकारी अर्चना ठाकुर ने बताया कि अवैध उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त सभी वाहन मालिकों और संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 तथा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 के प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि भविष्य में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण को रोकने के लिए टास्कफोर्स समिति द्वारा लगातार निगरानी और सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

हसदा में किसान के ब्यारा में लगी आग दो ट्रैक्टर व पैराकुटी मशीन जलकर खाक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नवापारा-राजिम

इलाके में आगजनी की घटना सामने आई है, जिसमें एक किसान के दो ट्रैक्टर और एक पैराकुटी मशीन जलकर राख हो गए। आगजनी से पीड़ित किसान को करीब 16 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। मामले की शिकायत पर पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है। घटना ग्राम हसदा नंबर 2 का है। जानकारी के अनुसार हसदा निवासी किसान नारद साहू 22 मार्च की रात करीब 11 बजे परिवार के साथ भोजन करने के बाद सो गए थे। देर रात करीब 1 बजे पड़ोस में हो रही शादी समारोह के दौरान कुछ लोगों ने घर पहुंचकर सूचना दी कि उनके ब्यारा (खेत परिसर) में खड़ी गाड़ियों में आग लग गई है। सूचना मिलते ही नारद साहू अपने परिवार के साथ मौके पर पहुंचे, जहां दो ट्रैक्टर और एक पैराकुटी मशीन धू-धू कर जल रही थी। परिजनों और आसपास के ⏭शेष पेज 12 पर

असामाजिक तत्वों ने पैरी नदी के एनीकेट का गेट खोलकर बहाया लाखों लीटर पानी

राजिम। राजिम में पैरी नदी पर नवागांव-चौबेबांधा के बीच बने एनीकेट का गेट अज्ञात तत्वों द्वारा खोल दिए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। इस घटना के चलते एनीकेट में लबालब भरा हुआ पानी तेजी से नीचे की ओर बह गया, जिससे क्षेत्र में जलसंकट की स्थिति बनने की आशंका बढ़ गई है। एनीकेट के इस तस्वीर को राजिम नगर पालिका अध्यक्ष महेश यादव ने हरिभूमि को भेजा है इसी के साथ उन्होंने इस घटना को असामाजिक तत्वों की करतूत बताते हुए कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में गर्मी अपने चरम पर है और ऐसे समय में पानी की हर बूंद बेहद महत्वपूर्ण है। एनीकेट में संग्रहित पानी से क्षेत्र के लोगों, मवेशियों और अन्य जीव-जंतुओं की निस्तार की जरूरतें पूरी होती हैं, लेकिन इस तरह से पानी को व्यर्थ बहा देना बेहद गैरजिम्मेदाराना कृत्य है। श्री यादव ने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की तत्काल जांच कर दोषियों की पहचान की जाए और उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। स्थानीय लोगों में भी इस घटना को लेकर आक्रोश देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि जल संकट के इस दौर में इस तरह की हरकतें क्षेत्र के लिए गंभीर समस्या पैदा कर सकती हैं, इसलिए दोषियों को जल्द से जल्द पकड़कर कड़ी सजा दी जानी चाहिए।

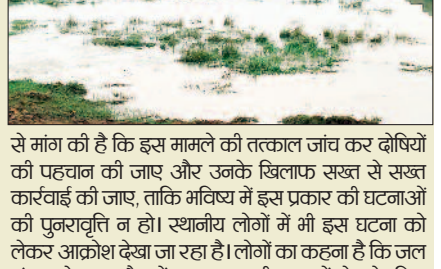

सौगात : विधायक रोहित साहू करेंगे भूमिपूजन

नए मेला मैदान से लक्ष्मण झूला तक फोरलेन सड़क का भूमिपूजन आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

धार्मिक और सांस्कृतिक नगरी राजिम इन दिनों विकास कार्यों की नई सौगातों से सराबोर हो रही है। विधायक रोहित साहू के मुख्य आतिथ्य में आज 25 मार्च बुधवार की सुबह 10 बजे एक ऐतिहासिक पहल का शुभारंभ होने जा रहा है। नए मेला मैदान चौबेबांधा से लेकर महानदी के लक्ष्मणझूला तक प्रस्तावित फोरलेन सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन एवं शिलान्यास विधायक द्वारा किया जाएगा। यह परियोजना लंबे समय से क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित मांग रही है, जिसे अब साकार रूप मिलने जा रहा है। खास बात यह है कि इस मार्ग का प्रारूप डिजाइन स्वयं विधायक रोहित साहू की पहल पर तैयार किया गया है, जिससे यह स्थानीय जरूरतों के अनुरूप विकसित होगा। राजिम में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले धार्मिक मेलों में लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। वर्तमान में यातायात व्यवस्था और संकरी सड़कों के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। फोरलेन सड़क के निर्माण से मेला क्षेत्र में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। पर्यटन और सौंदर्यीकरण को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष महेश यादव सहित स्थानीय सभी सभापति, पार्षद, गणमान्य नागरिक सहित जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप,उपाध्यक्ष लालिमा-पारस ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य नंदनी-ओंकार साहू, जिपंस नंदनी-कोमल ढीढी, सभापति लेखराज ध्रुवा, जनपद अध्यक्ष इंद्राणी-नेहरू साहू, जनपद उपाध्यक्ष सतीश यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य व जिला महामंत्री चंद्रशेखर साहू, फिंगेश्वर के वरिष्ठ भाजपा नेता राजू साहू, नगर पंचायत फिंगेश्वर के पूर्व अध्यक्ष जगदीश यादव, जिला पंचायत सदस्य शिवांगी चतुर्वेदी, जिले के भाजयुमो नेता दीपक साहू मौजूद रहेंगे।

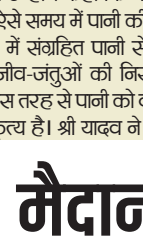

खबर संक्षेप

बकली में पंचमी पर माता का श्रृंगार

राजिम। बकली में पंचमी के अवसर पर पूरे श्रद्धा और भक्ति भाव से देवी मां के भक्तो ने श्रृंगार चढ़ाकर परिवार की सुख समृद्धि के लिए मंगल कामना की। विशेष रूप से गांव के शीतला माता मंदिर आकर्षक का केंद्र रहा। मंदिर परिसर को फूलों और रंग बिरंगी झालरों से सजावट की गई है।

रामनवमी पर शोभायात्रा 26 मार्च को निकलेगी

फिंगेश्वर। नगर मे रामनवमी का पर्व सर्व हिंदू समाज एवं वि"वहिंद परिशद तथा बजरंग दल द्वारा 26 मार्च को धूमधाम से भक्तिपूर्ण मनाया जायेगा। कार्यक्रम को लेकर नगर के प्रमुख चौक चौराहों मे

स्वागत द्वारा एवं बेनर पोष्टर सहित झंडे एवं तोरण सजाये जा रहे हैं। कार्यक्रम 26 मार्च को सायंकाल 4 बजे से सरस्वती शिशु मंदिर मैदान से प्रारंभ होकर नये बस स्टेड के पास समापन होगा।भगवान श्रीराम चंद्र की भव्य झांकी की शोभायात्रा महाआरती के पश्चात निकाली जाएगी। वहीं पर शस्त्र पूजन भी किया जायेगा। कार्यक्रम को लेकर विभिन्न वेशभूशा मे कलाकर भी इस शोभायात्र मे शामिल होंगे जिसमे भगवान राम एवं हनुमान की झांकी,कटप्पा कालकेय झांकी गुरप,किंगकांग गुरिल्ला झांकी ग्रुप, आखड़ा ग्रुप, राउत नाचा, दुर्गावाहिनी मातृशक्तिया प्रसिद्ध मां तारिणी धूमाल भी होगा। कार्यक्रम को लेकर आयोजक समिति के द्वारा भगवान राम की महिमा बढ़ाने नगर सहित अंचल के रामभक्तों को आंमत्रित किया गया है।

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलटी

नवापारा। इलाके से बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। एक अर्टिगा कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि कार हवा में उछलकर उल्टी हो गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना गोबरा नवापारा थाना अंतर्गत चंपारण चौकी क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, अर्टिगा कार (क्रमांक सीजी 04 क्यूएफ 8711) चंपारण की ओर जा रही थी। इसी दौरान ग्राम जौंदी में देवांगन किराना दुकान के पास चालक का नियंत्रण वाहन से हट गया और कार सड़क किनारे पलट गई। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों और आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए कार चालक को बाहर निकाला और तत्काल अस्पताल पहुंचाया। राहत की बात यह रही कि चालक को मामूली चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही चंपारण पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार कार में केवल चालक ही सवार था। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस घटना की जांच कर रही है।

छग वैष्णव समाज महासभा का हुआ पुनर्गठन

महासमुंद। छत्तीसगढ़ वैष्णव समाज महासभा अंतर्गत वैष्णव मंडल का पुनर्गठन किया गया। जिसमें वैष्णव मंडल अध्यक्ष संतोष दास वैष्णव खरोरा एवं सचिव नारायण दास वैष्णव महासमुंद, वैष्णव मंडल रत्न लालदास वैष्णव बिरकोनी,जीवन दास वैष्णव चिंगरौद, मंडलेश्वर रामनारायण दास वैष्णव, सलाहकार ईश्वरदास वैष्णव बम्हनी, संतोष वैष्णव महासमुंद, उपाध्यक्ष शेषनारायण वैष्णव बेमचा को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया। इस अवसर पर रमन दास वैष्णव खल्लारी जिला कोषाध्यक्ष छत्तीसगढ़ वैष्णव महासभा जिला महासमुंद, रुपदास वैष्णव, गौतम दास, गोपाल दास, रुखमेश दास, रामकृष्ण दास, हेमंत दास वैष्णव आदि मौजूद रहे।

बैठक : मांडव्य ऋषि आश्रम में हुई तहसील साहू संघ फिंगेश्वर की बैठक

एकजुट होकर कार्य करने से होगा समाज का उत्थान : साहू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फिंगेश्वर

तहसील साहू संघ फिंगेश्वर का बैठक बाबा कुटी धाम मांडव्य ऋषी आश्रम में आयोजित हुआ।बैठक मे साहू समाज को मजबूत बनाने का सभी अतिथियों ने आह्वान किया। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा संत माता कर्मा का मंदिर में पूजा चना तथा महा आरती किया गया। तत्पश्चात सामाजिक प्रमुखों का स्वागत किया गया।बैठक को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के पूर्व उपाध्यक्ष भुनेश्वर साहू ने कहा कि समाज के सभी भाइयों को मतभेद भुलाकर एक जूट होकर कार्य करना चाहिए तभी समाज का विकास एवं उत्थान हो सकेगा। तहसील साहू संघ के संरक्षक एवं राजिम भक्तिन माता मंदिर समिति के पूर्व अध्यक्ष रामू राम साहू ने कहा कि समाज को हर क्षेत्र में विकास के ऊपर ले जाने की जरूरत है। राजनीति,व्यापार आर्थिक उन्नति के साथ संस्कारवान समाज कि आज आवश्यकता है।संरक्षक एवं पूर्व अध्यक्ष राम जी साहू ने कहा कि तहसील साहू संघ फिंगेश्वर का नया गठन के पश्चात नई-नई कार्यकारिणी की एवं नए पदाधिकारी की घोषणा की गई है। सभी को एक साथ मिलकर समाज हित में कार्य करना होगा।नवगठित तहसील संघ फिंगेश्वर के अध्यक्ष खोमन साहू ने कहा कि हमारा समाज बड़ा समाज है और समाज में अनेक प्रतिभाशाली लोग हैं, सभी के सहयोग एवं मार्गदर्शन से तहसील साहू संघ फिंगेश्वर मजबूत होगा। उन्होंने यह भी कहा कि नवगठित तहसील साहू संघ फिंगेश्वर का प्रथम अध्यक्ष बनने का सौभाग्य आप सबके आशीर्वाद से मुझे प्राप्त हुआ है जिसमें सभी को मिल जुल कर कार्य करने का आह्वान करता हूं ताकि हमारे समाज को कोई अन्य कमजोर या नीचा ना दिखा सके।अध्यक्ष खोमन साहू ने सभी के सहमति से तहसील साहू संघ का संरक्षक भुनेश्वर साहू, रामू राम साहू, राम साहू, भुनेश्वर साहू को घोषित किया।

नई कार्यकारिणी और पदाधिकारियों की घोषणा

इसी तरह से सलाहकार उपाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ युवा प्रकोष्ठ कर्मचारी प्रकोष्ठ किसान प्रकोष्ठ चिकित्सा प्रकोष्ठ विधि प्रकोष्ठ के पदों पर भी समाज के लोगों का नाम का घोषणा किया जिससे उपस्थित सभी लोगों ने ताली बजाकर अनुमोदन किया। बैठक का संचालन सचिव विष्णु साहू ने किया। उक्त बैठक में प्रमुख रूप से अध्यक्ष खोमन साहू,संरक्षक भुनेश्वर साहू,रामू राम साहू,राम जी साहू,उपाध्यक्ष पवन साहू, संगीता साहू, सलाहकार मिजून साहू, कुंज बिहारी साहू, कार्यकारी अध्यक्ष ईश्वरी साहू, न्याय प्रकोष्ठ अध्यक्ष शालिक राम साहू, उपाध्यक्ष भुवन लाल साहू, नगर साहू संघ फिंगेश्वर अध्यक्ष उमाशंकर साहू, क्षेत्र अध्यक्ष भसेरा के रमेश साहू बोरसी के अध्यक्ष गोवर्धन साहू, जामगांव से दोहन साहू, बेलर हरिराम साहू, सोरीद परिक्षेत्र रूप सिंह साहू उपस्थित रहे।

सरपंच हेमोबाई नागेश ने थामा भाजपा का दामन कांदाडोंगर में ली सदस्यता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

गरियाबंद जिले के आदिवासी विकासखण्ड मैनपुर क्षेत्र से बड़ी खबर निकलकर सामने आई है ग्राम पंचायत अमलीपदर के सरपंच श्रीमति हेमोबाई नागेश ने भाजपा का दामन थाम लिया है और भाजपा प्रवेश कर लिया है जिससे क्षेत्र मे भाजपा को मजबुती मिलेगी। कांदाडोंगर मंडल में प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत अमलीपदर की सरपंच हेमोबाई नागेश ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर किया। अमलीपदर सरपंच के भाजपा प्रवेश से संगठन को बड़ी मजबूती मिलने के आसार है। ज्ञात हो कि अमलीपदर आजादी के बाद से कांग्रेस का अभेद गढ़ माना जाता है। सरपंच के भाजपा प्रवेश के बाद अमलीपदर में भाजपा के चुनावी माहौल में मजबूती की संभावनाएं बढ़ी है। अमलीपदर सरपंच हेमोबाई नागेश को भाजपा की प्राथमिक सदस्यता पर्ची देकर एवं पार्टी का गमछा पहनाकर भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल चंद्राकर, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश साहू, पूर्व विधायक डमरूधर पुजारी, जिला उपाध्यक्ष गुरुनारायण तिवारी, जिला मंत्री श्रुति ध्रुवा, मण्डल अध्यक्ष नवीन मांझी ने सदस्यता दिलाई। सरपंच अमलीपदर श्रीमति हेमोबाई नागेश ने कहा की भारतीय जनता पार्टी की सरकार गांव गरीब किसानों की सरकार है और भाजपा सरकार ही गांव से लेकर शहर का विकास कर सकता है। उन्होने कहा कांग्रेस के कार्यकाल में अमलीपदर पुल का निर्माण नहीं हुआ भाजपा सरकार मे पुल निर्माण कार्य पूरा होगा।

ग्राम जामगांव में भक्तिमय माहौल घर-घर गूंज रहा माता का जसगीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुईहा बेलर

चैत नवरात्र के पावन पर्व पर निज घर में भी कुल देवी देवता की पूजा-अर्चना और नौ दिन नौ रात अखंड ज्योत के साथ ज्वारे स्थापित करने की परंपरा निभाई जा रही है, यह अत्यंत प्रशंसनीय है। मंदिरों की तरह ही निज घर पर भी पुर्वजों की वंशावली परम्परागत चली आ रिवाज को बड़ी श्रद्धा से सुबह-शाम परिवार के साथ मिलकर आरती और भजन-कीर्तन का आयोजन करना आध्यात्मिक एकता और सामूहिक श्रद्धा का सुंदर उदाहरण ग्राम जामगांव में शिवराम दाऊ सिन्हा, पूरूषोत्म सिन्हा, हरिओम तारक, रागुलाल तारक है। इस स्थल पर जस गीत सेवा समिति द्वारा माता के जस गीतों की प्रस्तुति इस उत्सव को और भी भावपूर्ण एवं मंगलमय बना रही होगी। यह गीत-संगीत के माध्यम से देवी की कृपा और शक्ति का आह्वान करने का पारंपरिक तरीका है, जो आत्मा को शांति और उर्जा प्रदान करता है। यहां जनप्रतिनिधि, परिवार समुह चैत नवरात्र में मां दुर्गा से प्रार्थना कर उस परिवार के लिए सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं। नंदनी कोमल ढीढी जिला पंचायत सभापति, अरूण सिन्हा, रामाधार साहू, प्रेमलाल टोडर, राजकुमार सिन्हा, दशरथ सिन्हा, निलम साहू, राजेन्द्र साहू राधेश्याम, ओमप्रकाश, अजय वर्मा, कुलेश्वर प्रसाद, भागीरथी सिन्हा जयंत साहू उपस्थित थे।

घटारानी धाम पहुंचे कलेक्टर और एसपी चैत्र नवरात्रि की व्यवस्था का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुईहा बेलर

चैत्र नवरात्रि पर्व के अवसर पर चैत्र नवरात्रि के दौरान जिले के प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। इस दौरान सुरक्षा, व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहता है। जिलाधीश भगवान दास उइके एवं पुलिस अधीक्षक गरियाबंद देवब्रत सिरमौर ने प्रमुख मंदिरों और पर्यटन स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए साफ-सफाई, पेयजल, यातायात और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। पुलिस प्रशासन द्वारा भीड़ नियंत्रण, पार्किंग व्यवस्था और संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त बल की तैनाती की गई है। साथ ही, सीसीटीवी निगरानी के माध्यम से श्रद्धालुओं की सहायता की जा रही है। अधिकारियों ने इसी घटारानी में 15 मार्च को 16 अस्थाई दुकान पर आगजनी घटना को संज्ञान में लिया। इस तरह प्रशासन द्वारा किए गए व्यापक इंतजामों से चैत्र नवरात्रि पर्व शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने का प्रयास किया जा रहा है। शुक्रवार को दोनों अधिकारी घटारानी पहूंचे है, मंदिर पहूंचकर दर्शन लाभ लिए। इस मौके पर समीति सेवा तारण ध्रुव, गजेश्वर सिन्हा, जहूर दिवान, हिराधर, हरिशचंद दिवान, पवन, डिहू राम साहू उपस्थित थे।

पेज 11 के शेष...

मां गरजई धाम : 510...

पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई। तब ग्रामीणों ने क्षमा मांगी और माता ने संकेत दिया कि उनके मूल स्थान से कांसा की झंकार सुनाई देगी। आज भी यह स्थान भक्तों के लिए कौतूहल और श्रद्धा का विषय है।

नरसिंह गुफा और सोनई-रुपई माता की मान्यता- पहाड़ी पर जाने से पहले माता के वाहन के स्थान 'नरसिंह गुफा' का सम्मान करना अनिवार्य है। यह गुफा इतनी गहरी और गुप्त है कि वहां एक अनजाना सा भय महसूस होता है। पास ही सोनई-रुपई देवी का स्थान है, जिन्हें सुंदरता की देवी भी माना जाता है। मान्यता है कि चेहरे पर दाग-धब्बे होने पर यदि यहां सिक्का चिपकाया जाए, तो चेहरे पर शांति और निखार आता है।

55 गांवों के देवी-देवताओं का होता है समागम- नवरात्रि के पावन अवसर पर मां गरजई धाम में अद्भुत नजारा होता है। यहां क्षेत्र के 55 गांवों के देवी-देवताओं को पूजा-अर्चना के लिए आमंत्रित किया जाता है। सभी देवी-देवताओं की उपस्थिति में ग्रामीण सुख-समृद्धि की कामना करते हैं, जिसमें मां गरजई की मुख्य पूजा की जाती है। जिला बनने के बाद इस धाम की प्रसिद्धि तेजी से बढ़ी है। आयोजन को सफल बनाने और व्यवस्था संभालने में समिति के पदाधिकारी व सदस्य जुटे हुए हैं। अध्यक्ष दलाराम ठाकुर, सचिव चन्द्रशेखर यादव, संरक्षक, आशाराम, संयोजक ईश्वर वर्मा, सहयोग समिति के समस्त सदस्य एवं क्षेत्र के ग्रामवासी।

उदंती टाइगर रिजर्व ...

रखा था। तलाशी में 1 नग जंगली हाथी का दांत (लंबाई 10 सेमी, गोलाई 13 सेमी), 2 नग धनुष, 12 नग तीर, गुलेल और अन्य वन्यजीवों के अवशेष बरामद किए गए।

न्यायिक रिमांड और वन अपराध की धाराएं- विवेचना अधिकारी दिनेश चौधरी ने आरोपियों के विरुद्ध वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की धारा 9, 39, 44, 49 (ख), 50, 51 एवं 52 के तहत वन अपराध (पीओआर क्रमांक 45/01) पंजीबद्ध किया है। पुसऊराम और सुखचंद को व्यवहार न्यायालय राजिम में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जिला जेल गरियाबंद भेज दिया गया है। मुख्य आरोपी पदमन फिलहाल फरार है, जिसे पृथक से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाएगा। इस सफल कार्यवाही में वरुण जैन (उपनिदेशक, उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व), गोपाल सिंह कश्यप (एंटीपोचिंग नोडल), सुशील कुमार सागर, चंद्रबली ध्रुव, दिनेश चौधरी, ज्योति ध्रुव सहित स्नीफर डॉग टीम और अन्य सुरक्षा श्रमिकों का विशेष योगदान रहा।

हसदा में किसान...

लोगों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन तब तक दो ट्रैक्टर और एक पैराकुटी मशीन और अन्य सामान पूरी तरह जलकर राख हो चुके थे। पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने रात के अंधेरे में गाड़ियों पर आग लगा दी। किसान ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सिरकट्टी आश्रम के संत गोवर्धन शरण महात्मा का आगमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुईहा बेलर

ग्राम परसदाकला स्थित शीतला माता मंदिर में पंचमी श्रृंगार उत्सव बड़े श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर सिरकट्टी आश्रम के पूज्य गुरुदेव संत गोवर्धन शरण महात्मा का आगमन हुआ, जिससे पूरे ग्राम में उत्साह का वातावरण बन गया। महात्मा जी ने ग्रामवासियों के सुख, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना करते हुए चैत्र नवरात्र के अवसर पर शीतला माता मंदिर में विशेष पूजन-अर्चना संपन्न कराई। उनके आशीर्वचन से उपस्थित श्रद्धालुओं में आध्यात्मिक ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ। इस अवसर पर ग्राम सरपंच गणेश साहू, ग्राम प्रमुख बिहारी साहू, जनक सेन, कुलेश्वर निषाद, मोतीराम साहू, होरीलाल साहू, कुमारू साहू, दुलार देवांगन, फत्ते साहू, चम्मन साहू, दीपक साहू, विजय साहू, पंडा महाराज तातु साहू, पुरन निर्मलकर तथा ग्राम बैगा दयाराम ध्रुव सहित अनेक ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सीआरपीफ की 65वीं बटालियन ने ओड़ में लगाया सिविक एक्शन शिविर

ग्रामीणों को बांटी सिलाई मशीन और सोलर लैंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 65वीं बटालियन द्वारा ग्राम ओड (जिला गरियाबंद) में सिविक एक्शन प्रोग्राम के साथ-साथ एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बटालियन कमांडेंट राधे श्याम सिंह के निर्देशन में आयोजित किया गया, जिसका शुभारंभ उप कमांडेंट सुधेंदर सिंह की उपस्थिति में किया गया। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत ओड एवं ग्राम पंचायत आमामोरा के ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर ग्रामीणों को सिलाई मशीन, सोलर लैंप, साड़ी, खेती के उपकरण (फावड़ा, गैंती आदि) एवं अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया। साथ ही खाद्य सामग्री भी वितरित कर ग्रामीणों को सहायता प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर में ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यक दवाइयों का वितरण भी किया गया, जिससे ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। ग्रामीणों को नशा मुक्त जीवन अपनाने के लिए जागरूक किया और समाज को स्वस्थ एवं सुरक्षित बनाने का संदेश दिया।

नक्सलवाद और नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश- उन्होंने ग्रामीणों को नक्सलियों द्वारा की जा रही गतिविधियों के संबंध में भी जागरूक करते हुए उन्हें भयमुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित किया तथा आश्वासन दिया कि सीआरपीएफ एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा ग्रामीणों की हर संभव सहायता की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रकार के सिविक एक्शन कार्यक्रम न केवल केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल एवं स्थानीय जनता के बीच बेहतर संबंध स्थापित करने में सहायक हैं, बल्कि नक्सल गतिविधियों को समाप्त करने एवं क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर उप कमांडेंट सुधेंदर सिंह, सहायक कमांडेंट राजीव रत्न, निरीक्षक खुर्शीद अहमद, राम सिंह, ग्राम सरपंच ओड अर्जुन सिंह सोरी जिला गरियाबंद के शासकीय चिकित्सक, ग्राम के गणमान्य नागरिक तथा सीआरपीएफ के अन्य जवान उपस्थित रहे।

शासकीय कर्मचारियों की कैशलेस चिकित्सा सुविधा की मांग पूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुईहा बेलर

शासकीय कर्मचारियों की लंबे समय से चली आ रही कैशलेस चिकित्सा सुविधा की मांग पूरी होने पर पूरे प्रदेश में हर्ष का माहौल है। संगठन के जिला संयोजक गरियाबंद सुनील कुमार, सिन्हा शिक्षक माध्यमिक शाला फुलझर घटारानी एवं प्रदेश अध्यक्षा उषा चंद्राकर ने कहा की इसी उपलब्धि के उपलक्ष्य में 29 मार्च को भिलाई के कला मंदिर में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रदेशभर के शासकीय कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल होंगे। जिसमें मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया जाएगा। इस सुविधा प्रदान करने पर संगठन से राजकुमार सिन्हा, हूलास साहू, खोमन सिन्हा, रामनारायण मिश्रा, पूरन साहू, भुवन साहू, विरेन्द्र ध्रुव, किरण साहू, ओमप्रकाश सिन्हा, लता ध्रुव शामिल हैं।

खबर संक्षेप

सोनकर समाज निकालेगा शोभायात्रा व बाइक रैली

नवापारा-राजिम। नगर सोनकर समाज के अध्यक्ष राकेश सोनकर

ने बताया कि नवापारा में श्रीरामनवमी का पर्व नगर सोनकर समाज द्वारा 30 मार्च को मनाया जाएगा। श्री सोनकर ने बताया कि सुबह 9 बजे हवन पूजन, 10 बजे बाइक रैली, शाम 4 बजे भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी। रात्रि 8 बजे प्रसादी वितरण किया जाएगा। यह कार्यक्रम श्रीरामजानकी मंदिर में होगा।

जिपं सीईओ ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

महासमुंद। जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित होने वाले जनदर्शन में जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार ने जिले के आमजनों की मांगों एवं समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना और संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। मगंलवार को जनदर्शन में आज कुल 65 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में ग्राम जमड़ी बसना निवासी दीपक डडसेना ने मोटराईज्ड ट्राईसाइकिल हेतु आवेदन किया। इसी तरह ग्राम पाली के ग्रामवासियों ने ओलावृष्टि से हुए नुकसान की राशि हेतु, ग्राम बेमचा निवासी रूपराय निषाद ने पेंशन के लिए आवेदन किया।

निधन

परमेश्वर ध्रुव

मुड़ागांव (कोरासी)। ग्राम मड़ेली निवासी स्वर्गीय कुंवर सिंह ध्रुव के

सुपुत्र परमेश्वर ध्रुव (उम्र 60 वर्ष) का निधन मंगलवार को हो गया। उनका अंतिम संस्कार गांव के मुक्तिधाम में किया गया जिसमें गांव के गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

परीक्षा : आत्मसमर्पित नक्सलियों ने हथियार छोड़कर अपनाया शिक्षा का मार्ग

13 आत्मसमर्पित नक्सलियों ने दी 10वीं की बोर्ड परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

शासन के प्रयासों और पुनर्वास योजनाओं का सकारात्मक असर अब स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। जहां कभी नक्सल गतिविधियों में लिप्त रहे लोग अब मुख्यधारा से जुड़कर अपने जीवन को नई दिशा देने की ओर अग्रसर हैं। इसी कड़ी में छुरा में आयोजित ओपन स्कूल परीक्षा एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आई है, जहां आत्मसमर्पित नक्सलियों ने हथियार छोड़कर शिक्षा का मार्ग अपनाया है। शासन द्वारा पूरे प्रदेश को नक्सलमुक्त बनाने के उद्देश्य से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत नक्सलियों को आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। शासन की पुनर्वास नीति के तहत उन्हें न केवल सुरक्षा और रोजगार के अवसर दिए जा रहे हैं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से उनका भविष्य संवारने का भी प्रयास किया जा रहा है।इसी पहल के तहत छुरा स्थित शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित ओपन स्कूल की कक्षा 10वीं की परीक्षा में आत्मसमर्पित नक्सली भी शामिल हो रहे हैं। इस परीक्षा में गरियाबंद जिले के कुल 13 आत्मसमर्पित नक्सली जिनमें 6 पुरुष और 7 महिलाएं शामिल हैं। पूरी निष्ठा और उत्साह के साथ परीक्षा दे रहे हैं। परीक्षा में शामिल हो रहे इन पूर्व नक्सलियों से चर्चा करने पर उन्होंने बताया कि वे अब हिंसा और संघर्ष के रास्ते को छोड़कर शिक्षा के माध्यम से अपने जीवन को बेहतर बनाना चाहते हैं। उनका कहना है कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जिससे वे समाज में सम्मानपूर्वक जीवन जी सकते हैं और अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकते हैं।परीक्षा केंद्र के केंद्राध्यक्ष एवं व्याख्याता जितेंद्र सिंह जाट ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार परीक्षा का सुचारू रूप से संचालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पित नक्सलियों का इस प्रकार शिक्षा के प्रति रुझान दिखाना अत्यंत सराहनीय है। वे पूरी लगन और ईमानदारी के साथ परीक्षा दे रहे हैं, जो उनके सकारात्मक बदलाव का प्रतीक है।

पुनर्वास नीति और पुलिस प्रशासन का समन्वय

उन्होंने आगे कहा कि यह पहल न केवल इन व्यक्तियों के जीवन में बदलाव लाएगी, बल्कि समाज के लिए भी एक सकारात्मक संदेश है कि सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर कोई भी व्यक्ति अपने जीवन को बदल सकता है। इस पूरी प्रक्रिया में प्रशासनिक अमले, विशेषकर पुलिस विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पुलिस और प्रशासन के समन्वय से ही इन आत्मसमर्पित नक्सलियों को मुख्यधारा में लाने और उन्हें शिक्षा से जोड़ने का कार्य सफल हो पा रहा है। निश्चित रूप से यह पहल न केवल नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति और विकास को बढ़ावा देगी, बल्कि उन लोगों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी, जो अब तक भटके हुए रास्ते पर थे। शिक्षा की ओर बढ़ते ये कदम एक नए और बेहतर भविष्य की ओर संकेत कर रहे हैं।

कांदाडोंगर मंडल में दो दिवसीय भाजपा प्रशिक्षण का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

भारतीय जनता पार्टी मंडल कांदाडोंगर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का समापन मंगलवार को हुआ। यह प्रशिक्षण वर्ग पूर्णतःसफल एवं प्रेरणादायक रहा जिसमें संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति एवं राष्ट्र सेवा के मूलभावों पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान सभी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा, उत्साह एवं संगठन के प्रति समर्पण की भावना का संचार हुआ। इस अवसर गरियाबंद भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर, उपाध्यक्ष गुरु नारायण तिवारी, जिला महामंत्री चंद्रशेखर साहू, पूर्व संसदीय सचिव गोवर्धन सिंह मांझी, पूर्व विधायक विंद्रानवागढ़ डमरूधर पुजारी, पूर्व जिला अध्यक्ष राजेश साहू, पूर्व जिला महामंत्री पुनीत सिन्हा, सहित जिला भाजपा के पदाधिकारीगण एवं मंडल कांदाडोंगर के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। जिला पंचायत गरियाबंद अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप के उपस्थिति में संगठन सर्वोपरि के भाव के साथ सभी कार्यकर्ताओं ने राष्ट्र सेवा एवं संगठन सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया पश्चात प्रशिक्षण का समापन हुआ।

प्रेम बने भाजपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक

नवापारा-राजिम। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण देव के निर्देश पर शहर के युवा प्रेम साधवानी को रायपुर ग्रामीण जिला सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के संयोजक बनाए जाने पर भाजपा मंडल अध्यक्ष नागेंद्र वर्मा, नपा अध्यक्ष ओमकुमारी-संजय साहू, उपाध्यक्ष भूपेंद्र सोनी, विधायक प्रतिनिधि संजय साहू, नपा के पूर्व अध्यक्ष विजय गोयल, अनिल जगवानी, अशोक नागवानी, महिला मोर्चा के अध्यक्ष धनमती साहू, भाजपा नेत्री योगिता सिन्हा, साधना सौरज ,डॉ राजेंद्र गढ़िया ने शुभकामना दी। संयोजक प्रेम साधवानी ने रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व मंत्री चंद्रशेखर साहू, भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी अशोक बजाज, विधायक इंद्रकुमार साहू, जिला अध्यक्ष श्याम नारंग, जिला महामंत्री संतोष शुक्ला का आभार व्यक्त किया है।

जामगांव व आसपास के गांवों में गूंज रहा माता का जसगीत

छुईहा बेलर। चैत्र नवरात्र की पावन बेला में ग्राम जामगांव के शिवराम ढाऊ सिन्हा, पुरुषोत्तम सिन्हा, हरिओम तारक और रागुलाल तारक, वहीं चरौदा में रामप्रसाद रोहित यशोदा, तुलसी ध्रुव रवेली, रामकुमार साहू रवेली ,डॉ. राजेन्द्र साहू सरपंच देवगांव सरपंच चरभट्ठी द्वारा मुर्ति स्थापित काली माता में निज निवास पर अखंड ज्योत और जवांरा की स्थापना की गई है। यहां नौदिवसीय कुलदेवीकी परम्परागत पूजा चल रही है। सोमवार को पंचमी

श्रृंगार उत्सव मनाई गई है। परंपरा के अनुसार सुबहशाम परिवारसहित आरतीभजन हो रहा है। जस गीत सेवा समिति के माताकेजसगीत उत्सव को भक्तिरस से भर रहे हैं। शुक्रवार को महाष्टमी हवन पूजन,नौ कन्या पूजा के साथ नौरात्रि पर्व का समापन हो जाएगा। सोमवार को जामगांव कार्यक्रम में जिला पंचायत सभापति नंदनी कोमथलढीढी, अरुण सिन्हा, भाजपा किसान मोर्चा मंत्री रामाधार साहू, प्रेमलाल टोडर, राजकुमार सिन्हा ,दशरथ सिन्हा, निलम साहू, राजेन्द्र साहू राधेश्याम, ओमप्रकाश, अजय वर्मा, कुलेश्वर प्रसाद, जयंत साहू उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

झरझरा कथा से लौट रहीं बुजुर्ग महिलाओं को थाना प्रभारी ने घर पहुंचाया

कोपरा। क्षेत्र के झरझरा प्रांगण पर चल रहे श्रीमद् देवी भागवत पुराण कथा के तृतीय दिवस कथा समापन के बाद सभी श्रद्धालु अपने-अपने गंतव्य के लिए निकल गए थे किंतु कुछ वृद्ध जनों को लंबी दूरी और खाई के नीचे मुरमुरा गांव तक पहुंचना था जिसके लिए वहां की व्यवस्था नहीं थी ऐसे में पांडु का थाना प्रभारी कृष्ण कुमार जांगड़े और उनकी टीम की मानवता देखने को मिली जहां उन्होंने अपने पेट्रोलियम वहन पर वृद्ध उम्र दराज महिलाओं को तीन किलोमीटर अपनी गाड़ी में बिठाकर मुख्य मार्ग तक पहुंचा लोगों में इस कार्य को देखकर पुलिस के प्रति विश्वास और बढ़ गयी। थाना प्रभारी कृष्ण कुमार जांगड़ा के सुरक्षा से लोग काफी खुश हैं और बिना किसी डर के श्रीमद् देवी महापुराण कथा सुनने बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं, थाना प्रभारी कृष्ण कुमार जांगड़े का कहना है कि जनता का सेवा करना हमारा प्रथम कर्तव्य है हम निरंतर लोगों की सेवा के लिए अपने टीम के साथ तैयार हैं, किसी भी प्रकार के अप्रिय घटना को अंजाम देने वाले लोगों को बिल्कुल नहीं बक्शा जायेगा, असामाजिक गतिविधियों को अंजाम देने वाले सतर्क रहें पांडुका पुलिस की नजर चप्पे चप्पे पर बनी हुई है।

मैनपुर कब्रिस्तान में गंदा पानी और गंदगी से लोग परेशान

मैनपुर। तहसील मुख्यालय मैनपुर नगर के ईसाई समुदाय कब्रिस्तान में नाली का का गंदा पानी आने एवं कचरा से भारी परेशानी हो रही है इसे लेकर ईसाई समुदाय के लोगों ने गरियाबंद कलेक्टर से फरियाद लगाई है साथ ही समस्या समाधान करने की मांग किया है। ईसाई समाज के नेलशन बाघमार ने कलेक्टर को मांग पत्र सौपकर मांग किया है कि मैनपुर ईसाई समुदाय के कब्रिस्तान मे पुर्वजों के वर्षों पुराने कब्र स्थित है जहां विगत कुछ वर्षों से नाली का गंदा पानी प्रवेश कर रहा है इसके कारण कब्रिस्तान के भीतर कीचड़ और गंदगी के चलते यहां पहुंचने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर पूर्व में भी मांग किया जा चुका है लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। साथ ही इसी के बगल में मुक्तिधाम भी है वहां भी गंदा पानी भरा हुआ है। मुक्तिधाम में पहुंचने वाले लोग भी परेशान हो रहे हैं। ईसाई समुदाय के साथ ही स्थानीय वरिष्ठ लोगों ने मांग किया है कि यहां गंदा पानी एवं कचरों की सफाई करवाया जाए तथा इस समस्या का स्थाई समाधान किया जाए और इसके लिए गरियाबंद कलेक्टर को ज्ञापन प्रेषित किया गया है।

पेपर लीक की आशंका के बीच 12वीं बोर्ड की हिंदी परीक्षा निरस्त

रसेला। छत्तीसगढ़ में 14 मार्च 2026 को आयोजित कक्षा 12वीं की हिंदी बोर्ड परीक्षा को निरस्त कर दिया गया है। यह फैसला छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की ओर से 23 मार्च को आयोजित परीक्षा समिति की बैठक में लिया गया। बैठक में सभी तथ्यों पर विस्तार से विचार-विमर्श करने के बाद यह अहम फैसला लिया गया। मंडल की ओर से जारी आदेश के अनुसार अब हिंदी विषय की परीक्षा 10 अप्रैल को सुबह 9 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक फिर आयोजित की जाएगी। सभी परीक्षार्थियों से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि पर अपने परीक्षा केंद्रों में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर परीक्षा दें।

निरई माता धाम : 4 लाख भक्तों ने टेका माथा, भीड़ देख बढ़ाना पड़ा पूजा का समय

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद

पहाड़ी में विराजित निरई माता की महिमा भक्तों पर ऐसी बरस रही हैं कि साल दर साल भक्तों की संख्या दोगुनी होती जा रही है। आस्था और श्रद्धा के अद्भुत संगम निरई माता धाम में इस वर्ष जांतरा पर्व के दौरान भक्तों का ऐसा जनसैलाब उमड़ा कि निरई माता सेवा समिति को पूर्व निर्धारित समय में बदलाव करना पड़ा। पहले जहां माता की पूजा-अर्चना का समय मात्र 5 घंटे निर्धारित था, वहीं श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए इसे बढ़ाकर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक कर दिया गया। चैत्र नवरात्र के इस विशेष अवसर पर लगभग 4 लाख श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए पहुंचे। बड़ी संख्या में भक्त सूर्योदय से पहले ही रात के अंधेरे में धाम पहुंचने लगे थे। मनोकामना पूर्ण होने पर हजारों श्रद्धालुओं ने बकरे की बलि अर्पित कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। सेवा समिति मोहेरा के अनुसार, बलि के बाद भक्त अपने साथ लाए सामान से बकरे का प्रसाद तैयार करते हैं। अधिकतर श्रद्धालु 4-व्हीलर वाहनों में 15 से 20 लोगों के समूह में पहुंचते हैं, जिन्हें प्रसाद के लिए आमंत्रित किया जाता है। प्रसाद को एक निश्चित सीमा में ही बनाकर ग्रहण करने की परंपरा आज भी कायम है, और शेष बचा प्रसाद नदी में विसर्जित कर दिया जाता है इसे घर ले जाने की अनुमति नहीं है। बताया गया कि यहां आने वाले अधिकांश भक्त वे होते हैं, जिनकी मन्नतें माता ने पूरी की होती हैं। श्रद्धालु माता के समक्ष अपनी पीड़ा व्यक्त करते हैं और मन्नत मांगते हैं।

निरई माता धाम में उमड़ा आस्था का महाकुंभ

मन्नत पूरी होने पर बलि और सामूहिक प्रसाद

बकरे की बलि के दौरान उसका मुंड माता को समर्पित किया जाता है, जबकि अन्य हिस्सों को प्रसाद के रूप में तैयार कर सामूहिक रूप से ग्रहण किया जाता है। पहले माता को भोग लगाया जाता है, इसके बाद प्रसाद वितरण होता है। प्रसाद ग्रहण करने वालों की भीड़ पैरी नदी किनारे और मोहेरा गांव के आसपास लगभग 15 किलोमीटर के दायरे में फैली रहती है।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए दो जिलों की पुलिस तैनात रही। धमतरी जिले के मगरलोड क्षेत्र की ओर धमतरी पुलिस, जबकि गरियाबंद जिले में सिटी कोतवाली और पाण्डुका थाना पुलिस को सुरक्षा व्यवस्था में लगाया गया था। भारी भीड़ के बावजूद श्रद्धालुओं का आवागमन सुरक्षित रहा। स्थानीय मान्यता के अनुसार, जब तक माता का अनादर नहीं होता, तब तक कोई बड़ी दुर्घटना नहीं होती। जांतरा पर्व एक बार फिर आस्था, परंपरा और जनविश्वास का विशाल उदाहरण बनकर सामने आया, जहां लाखों श्रद्धालुओं ने एक साथ मिलकर अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

संग्रहण : महुआ फूल संग्रहण से तीन महीने होता है ग्रामीण परिवारों का भरण पोषण

वनांचल में महुआ की बहार, 80 करोड़ से अधिक का है कारोबार, ग्रामीणों ने जंगलों में डाला डेरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

खास खबर

गरियाबंद जिले वनांचल क्षेत्र में इन दिनों ग्रामीण महुआ फूल चुनने में व्यस्थ है। बड़े व बच्चे सुबह सूरज निकलने से पहले ही महुआ पेड़ के पास पहुंच रहे हैं। दोपहर 2 बजे तक कड़ी धूप में महुआ एकत्र कर घर आते हैं नगदी फसल के रूप में ग्रामीणों के लिए महुआ वरदान से कम नहीं है। मार्च से अप्रैल के आधे महिने तक ग्रामीण अपना सारा काम छोड़कर महुआ एकत्र करने में लगे रहते हैं ताकि इस महुआ से आगामी तीन महिने तक उनके घर का चूल्हा जल सके। मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने मे वनोपज का बहुमूल्य योगदान होता है जिसमें महुआ फूल सर्वाधिक महत्वपूर्ण है अगर बात करें गरियाबंद जिले का तो अकेले महुआ फूल का कारोबार लगभग 80 करोड़ से अधिक का होता है इससे ही महुआ फूल की महत्ता का अहसास हो जाता है। इन दिनों पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश के साथ गरियाबंद जिले के जंगल में महुआ फूल की बहार छाई हुई है। मैनपुर, इंदागांव, गरियाबंद, छुरा, अमलीपदर, देवभोग, नगरी, सिहावा एवं समीपस्त ओड़िशा के राजाखरियार तक महुआ बाजार में 40 से 42 रूपए किलो में बिक रहा है। मैनपुर नगर में तो 50 रूपए किलो तक महुआ खरीदी किया जा रहा है। ऐसा कहा जाता है कि छत्तीसगढ़ का महुआ बाजार पूरी तरह झारखण्ड, राची एवं बिहार के खरीदी बिक्री पर निर्भर करता है इसका सबसे बड़ा बाजार झारखण्ड के राची में बताया जाता है और दूसरे नंबर में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में महुआ का बाजार है। महुआ की खरीदी बिक्री करने वाले वनोपज व्यवसायियों की माने तो महुआ की आवक और मूल्यो की उतार चढ़ाव का अच्छे –अच्छे जानकार अंदाजा नही लगा पाते इसका सही अनुमान मार्च के अंतिम और अप्रैल के प्रथम सप्ताह में लगता है तब ही बड़े व्यवसायी महुआ संग्रहण की मात्र तय करते है।

- नगदी फसल के रूप में गरीबों के लिए महुआ वरदान से कम नहीं

ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में बच्चे नहीं पहुंच रहे

मैनपुर दूरस्थ वनांचल क्षेत्र के स्कूलों में इन दिनों स्कूली बच्चों की उपस्थिति नाम मात्र की रह गई है। बच्चे स्कूल पहुंच नहीं रहे हैं और तो और आश्रम छात्रवासों से भी बच्चे छुट्टी लेकर घर चले गए हैं। महुआ फूल की आवक पूरी तरफ गर्मी पर निर्भर करता है। जितनी तेज धूप और गर्मी बढ़ेगी महुआ का पैदावार उतना ही अधिक होगा और महुआ का फूल और खिलेगी, महुआ को तोड़ने की जरूरत नहीं पड़ता। यह पेड़ से टपकता है और इसे संग्रहित करना पड़ता है। वहीं दूसरी ओर महुआ सीजन में अधिकतर भालू के हमले की घटना भी बढ़ जाती है क्योकि भालू भी इस फूल का सेवन करने का शौकिन है भालू का सबसे पसंदीदी फूल महुआ को बताया जाता है महुआ की खुशबु और मादक खुशबु से पूरा क्षेत्र महक उठा है बहरहाल पूरे गरियाबंद जिले मे ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों गांव की गलियां और चौक -चौराहे सूनी हो गई है ग्रामीण सभी काम छोड़कर महुआ संग्रहण में लगे है। मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र मे सबसे अच्छा पीला व सूखा महुआ छुरा और मैनपुर क्षेत्र के राजापड़ाव गौरगांव क्षेत्र का बताया जाता है।

प्रतिकूल मौसम के बावजूद संग्रहण का जुनून

इस वर्ष महुआ का जबरदस्त उत्पादन देखने को मिल रहा था लेकिन पिछले दिनों हुई बारिश आंधी -तूफान ओलावृष्टि से महुए की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। महुआ संग्रहण करने ग्रामीण परिवार सहित पहाड़ी क्षेत्रों में अस्थायी कुटिया बनाकर पिछले एक पखवाड़े से डेरा डाले हुए है और सुबह 4 बजे से देर शाम 5-6 बजे तक महुआ संग्रहण कर रहे हैं। प्रतिदिन एक-एक परिवार 8 से 10 बोरी महुआ का संग्रहण इस वर्ष कर रहे हैं जो अपने आप में एक मिशाल है। मैनपुर क्षेत्र से कुल्हाड़ीघाट पहाड़ी, साहेबिनकछार पहाड़ी एवं आमामोरा पहाड़ी के तरफ महुआ संग्रहण करने पहुंचे ग्रामीण भरत ठाकुर, जीवन नेताम, मनोहर यादव, तेजराम ओटी, अगनुराम नेताम, फरसु राम, धनराज मरकाम, सुरेश नागेश, अशोक यादव ने बताया कि पिछले 10-12 दिनों से पहाड़ी के ऊपर परिवार समेत ठहरे हुए है और दिनरात महुआ एकत्र कर रहे है। ग्रामीणों ने बताया की आंधी- तूफान ओलावृष्टि से महुआ की फसल को भारी क्षति पहुंची है।

तरीघाट और रवेली में जल रहे आस्था के जोत

कोपरा। चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर क्षेत्र के प्रत्येक गांव के शीतला मंदिर पर कई मनोकामना दीप प्रज्वलित हो रही है। क्षेत्र के तरीघाट के दंतेश्वरी मंदिर पर आस्था 75 दीप प्रज्वलित हो रही है, पंचमी के पावन अवसर पर माता रानी की सिंगर की गई साथी निरंतर प्रतिदिन संध्याकालीन बेला पर माता रानी की सेवा गीत भी चल रही है। इसी तरह रावेली में भी शीतला मंदिर प्रांगण पर पूरी आस्था और विश्वास तथा मनोकामना की दीप प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रज्वलित की गई है। गांव के लोग पूरे धूमधाम से चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर आस्था और भक्ति के रंग में रंगे हुए हैं। शाम होते ही शीतला मंदिर प्रांगण पर भक्तों के भीड़ लग रही है और माता रानी की सेवा बजा रहे हैं। इस दौरान ग्राम तरीघाट विकास समिति तरीघाट कृष्ण वर्मा, अध्यक्ष ग्राम विकास समिति भोला वर्मा, सरपंच प्रतिनिधि विकास मारकंडे, सचिव कोमल पटेल, कोषाध्यक्ष तुकाराम पटेल, सदस्य नेतराम सोनवानी मोनू, अंडे परमेश्वर साहू, सदस्य चेतन ध्रुव, बैगा एवं पंडा मां दंतेश्वरी मंदिर संतोष यादव, पांडा मां दंतेश्वरी मंदिर तरीघाट लीलाराम ध्रुव, मां शीतला मंदिर पंडा तूनेश कुमार ध्रुव, ग्राम रवेली सरपंच प्रतिनिधि लोमस ध्रुव, उप सरपंच पुखराज साहू, बैगा टीकाराम ध्रुव, चैतराम निषाद, नेतराम साहू, रामेश्वर कश्यप, पुरोहित निषाद, सरजू शरण कश्यप, मोहन विश्वकर्मा समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बीहड़ जंगलों के बीच बिहावझोला में ज्योत प्रज्वलित

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुड़ागांव (कोरासी)

आदिवासी वनांचल ग्राम मड़ेली के आश्रित विरान गांव बिहावझोला पहाड़ों और बीहड़ जंगलों के बीच स्थित है, वहां पर आदिवासीयों का पुरखौती देवी- देवताओं विराजमान हैं जहां पर चैत्र नवरात्र पर्व पर पहली बार देवी स्थल में ज्योत जंवारा का भव्य आयोजन किया गया। इस बियाबान जंगल में लगभग 50–60 किसानों की खेती-किसानी करते हैं। इसी 50-60 आदिवासी किसानों के सहयोग से प्राकृतिक सौंदर्य के बीच निरंतर बहती जलधारा इस स्थान को और भी रमणीय बनाती है।बिहावझोला क्षेत्र देवी-देवताओं की आस्था का केंद्र माना जाता है, जहां मां शीतला प्रमुख रूप से पूजित हैं और किसी भी पूजा-अर्चना की शुरुआत सर्वप्रथम इन्हीं की आराधना से होती है। चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर यहां पहली बार ज्योत जंवारा बोया गया, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बन गया है। यहां 23 मार्च दिन सोमवार को पंचमी का पर्व बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। श्रद्धालुओं ने देवी-देवताओं की विधिवत पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। हरी-भरी वादियों के बीच मंदिर प्रांगण में मंडप तैयार कर जंवारा बोया गया है, जहां प्रतिदिन जसगान और आरती के साथ भक्ति का माहौल बना हुआ है। दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्र होने के बावजूद यहां भक्तों की अच्छी खासी भीड़ उमड़ रही है। बिहावझोला तक पहुंचने के लिए मड़ेली से दक्षिण दिशा में नयापारा होते हुए पगडंडी मार्ग से जाना पड़ता है। रास्ते भर जंगल की हरियाली और वन्य जीव-जंतुओं की आवाजें वातावरण को और भी जीवंत बना देती हैं। ज्योत जंवारा लहलहा रहा है और भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा है। स्थानीय किसान और सेवादार दिन-रात सेवा में जुटे हुए हैं, जिससे आयोजन सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। कार्यक्रम को सफल बनाने में देवलाल ठाकुर, देवसिंह ठाकुर, लालाराम यदु (अध्यक्ष), देवेन्द्र ध्रुव, रामचरण ठाकुर, निर्मल मरकाम, भारत ध्रुव, टंकेश्वर ध्रुव, लोचन ठाकुर, हेमसिंह ठाकुर, राजू ध्रुव, फगनू राम, ताराचंद, भीखम यादव, कामतू ठाकुर, प्रीतम यादव, यशवंत ध्रुव, गोपाल यादव, मयाराम, गुमान ध्रुव, भगवान सिंह, तिलक राम, शांति बाई, अंटेश्वर, भोजराम, हेमु, राजकुमार, हुमन ठाकुर, राधे, भोला राम, रामबिशाल, सुभाष ध्रुव, कामतप्रसाद, प्रभु राम, बुधारू, गोपाल, अगनू सहित अनेक ग्रामीणों का विशेष योगदान रहा।

पीएम सड़क निर्माण का काम घटिया कांग्रेस ने कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

मैनपुर विकासखण्ड क्षेत्र मे प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मैनपुर के अध्यक्ष रामकृष्ण धुरव के नेतृत्व मे पदाधिकारियो व कार्यकर्ताओ ने रैली की शक्ल मे एसडीएम कार्यालय पहुंचकर गरियाबंद कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौपकर एक पखवाड़े के भीतर कार्यवाही करने की मांग किया है साथ ही कार्यवाही नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दिया गया है। ज्ञापन सौपने के बाद ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मैनपुर के अध्यक्ष रामकृष्ण ध्रुव ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क जनमन योजना के तहत जो सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा है उसमें गुणवत्ता का कोई ध्यान नहीं रखा जा रहा है बेहद निम्न और घटिया स्तर के निर्माण कार्य के चलते सड़क बनते ही उखड़ने लगी है। सड़क निर्माण पर भारी भ्रष्टाचार किया जा रहा है। श्री ध्रुव ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा की सड़क निर्माण कार्य स्थल पर संबंधित विभाग के जिम्मेदार अफसर नहीं रहते अफसरों और इंजीनियर के अनुपस्थिति मे सड़क निर्माण स्थल के किनारे से ही मिट्टी को निकालकर सड़क निर्माण कार्य किया जा रहा है और सड़क के किनारे बड़े-बड़े गड्ढे हो रहे है जिसमे आये दिनो लोग दुर्घटना के शिकार हो रहे है। ग्रामीणो के द्वारा घटिया सड़क निर्माण की शिकायत के बावजूद कोई कार्यवाही नही हो रही है घटिया सड़क निर्माण की उच्च स्तरीय जॉच किया जाये दोशि कार्य एजेंसी और संबंधित जिम्मेदार अफसरों पर कार्यवाही किया जाए। एक पखवाड़े के भीतर जिम्मेदारों के ऊपर कार्यवाही नहीं होने पर ब्लॉक कांग्रेस द्वारा मैनपुर में उग्र प्रदर्शन घेराव एवं पुतला दहन किया जायेगा जिसकी सारी जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी। इस मौके पर प्रमुख रूप से ब्लॉक कांग्रेस महामंत्री गेंदु यादव, वरिष्ठ कांग्रेस नेता तनवीर राजपूत, दुलेन्द्र नेगी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष सोहन नागेश, महिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रियंका कपिल, डोमार साहू, लिकेश यादव आदि कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विधायक रोहित साहू ने जतमई-घटारानी में टेका माथा

नवरात्रि का पर्व शक्ति का प्रतीक : रोहित साहू

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर पूरे क्षेत्र में जहां एक ओर भक्ति और आस्था का वातावरण बना हुआ है, वहीं राजिम विधायक रोहित साहू निरंतर देवी मंदिरों में पहुंचकर माता रानी के दर्शन कर रहे हैं। वे इन दिनों पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ देवी मां की आराधना में लीन नजर आ रहे हैं। विधायक रोहित साहू ने क्षेत्र के प्रसिद्ध देवी धामों-जतमई और घटारानी मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर समूचे राज्य एवं क्षेत्रवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और कुशलता के लिए माता रानी से विशेष प्रार्थना किया बल्कि अनेकों जगह जसगीत के साथ मांदर पे ताल भी दे रहे है। उनके साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भी उपस्थिति रही। इस धार्मिक यात्रा में जिला पंचायत सदस्य नंदनी-ओंकार साहू, जनपद अध्यक्ष इंद्राणी-नेहरू साहू, पूर्व जिला पंचायत सदस्य व जिला महामंत्री चंद्रशेखर साहू, फिंगेश्वर के वरिष्ठ भाजपा नेता राजू साहू,नगर पंचायत फिंगेश्वर के पूर्व अध्यक्ष जगदीश यादव, जिले के भाजयुमो नेता दीपक साहू, जिला पंचायत सदस्य शिवांगी चतुर्वेदी, जेंजरा सोसायटी अध्यक्ष महेश साहू, रजनकटा के किशन कंड़रा, भाजयुमो नेता जवाहर शर्मा, सहित भारतीय जनता पार्टी के अनेको पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के धर्मप्रेमी नागरिक लगातार उनके साथ चल रहे। विधायक रोहित साहू ने कहा कि यह पर्व शक्ति, श्रद्धा और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है।

देवी मंदिरों में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

अंचल भर में चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व पूरे श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। नवरात्रि के छठवां दिन मंगलवार को क्षेत्र का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय नजर आया। सुबह से ही देवी मंदिरों में पूजा-अर्चना और आरती का सिलसिला जारी रहा, वहीं शाम की महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। क्षेत्र के प्रमुख देवी मंदिरों सहित प्रसिद्ध शक्तिपीठों - जतमई, घटारानी और रमईपाठ - में इन दिनों विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं। आने वाले महाष्टमी और नवमी के पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।